अध्ययन मार्गदर्शिका
पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता
मॉड्यूल आठ – बुद्धिमानों के लिए प्रकाशन – भाग 2

दिशानिर्देश : प्रत्येक अध्ययन मार्गदर्शिका को समय संकेतों के साथ खंडों में विभाजित किया गया है जो प्रत्येक मॉड्यूल में शामिल मुख्य श्रेणियों के अनुरूप हैं। अनुभागों में दो मुख्य घटक पाए जाते हैं : **नोट्स लेने की रूपरेखा** और **पुनर्समीक्षा के प्रश्न।** आपको वीडियो व्याख्यान देखते समय **नोट्स लेने की रूपरेखा का उपयोग करना है** और फिर मॉड्यूल प्रश्नोत्तरी की तैयारी के लिए **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर देना है।** अध्ययन मार्गदर्शिकाओं का उपयोग करने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए छात्र दिशानिर्देश नियमावली को देखें। साथ ही, अध्ययन मार्गदर्शिकाओं को सेव करना सुनिश्चित करें क्योंकि वे इस पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन होंगी।

**ध्यान दें :** इस मॉड्यूल में वीडियो अध्याय “बुद्धिमानों के लिए प्रकाशन” का दूसरा भाग शामिल है।

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

नोट्स लेने की रूपरेखा मिनट 1:23:05 — 2:06:33 पर

1. प्रकट होने वाली आशा
	1. मूल अर्थ
		1. परमेश्वर के प्रत्युत्तर
		2. लोगों के प्रत्युत्तर
	2. आधुनिक प्रयोग
		1. मसीह की दुल्हन
		2. मसीह में अंत के दिनों में
2. उपसंहार

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. अंत के दिनों के लिए परमेश्वर की आशीषों की आशा अपने लोगों के प्रति परमेश्वर के \_\_\_\_\_\_\_ प्रत्युत्तरों में पाई जाती है, परंतु ये आशीषें तभी आएँगी जब परमेश्वर के लोग उसके \_\_\_\_\_\_ के प्रति \_\_\_\_\_\_\_ प्रत्युत्तर देते हैं।
2. होशे 9:10-12 में परमेश्वर द्वारा इस्राएल की तुलना “फल” से करना यह दर्शाता है कि \_\_\_\_\_\_ के समय में परमेश्वर ने इस्राएल को कितना प्रिय जाना था।
3. 9:13-17 में परमेश्वर द्वारा इस्राएल की तुलना “मनभावने स्थान में बसे हुए” से करना यह दर्शाता है कि उसने \_\_\_\_\_\_\_\_ में इस्राएल के गोत्रों को कैसे बसाया था।
4. होशे 10:1-10 में परमेश्वर द्वारा इस्राएल की तुलना एक “लहलहाती हुई दाखलता” से करना \_\_\_\_\_\_\_\_\_ के समय की ओर संकेत करता है।
5. होशे 9-14 में सभी पाँच रूपकों में क्या समानता है?
6. यदि यहूदा के अगुवे यह देखना चाहते थे कि परमेश्वर अपने शापों को दूर करे और अपने लोगों को अंत के दिनों की आशीषों की ओर लेकर जाए, तो किन दो कार्यों का होना जरुरी था।
7. क्या यह सच है, क्योंकि यहूदा का अतीत में विद्रोह का कोई लंबा इतिहास नहीं था, इसलिए होशे ने वर्तमान परिस्थितियों में यहूदा के प्रत्युत्तर पर ध्यान केंद्रित किया?
8. “वे \_\_\_\_\_\_ से चिड़ियों के समान और \_\_\_\_\_\_ के देश से पण्डुकी की भाँति थरथराते हुए आएँगे; और मैं उनको उन्हीं के घरों में बसा दूँगा, यहोवा की यही वाणी है” (होशे 11:11)।
9. होशे 12:5 में प्रयुक्त, “यहोवा, सेनाओं का परमेश्‍वर” किसकी ओर संकेत करता है?
10. वे “विश्वासयोग्य लोग कौन थे जो उद्धार के लिए परमेश्वर की ओर मुड़ेंगे और उसकी अनंत आशीषें प्राप्त करेंगे”?
11. इस अध्याय के अनुसार, क्या मत्ती जानता था कि होशे 11:1 में होशे ने सीधे यीशु का उल्लेख किया था?
12. 1 कुरिन्थियों 15 में प्रेरित पौलुस ने होशे से कौन-सा उद्धरण लेकर अंत के दिनों की पूर्णता का उल्लेख किया :